THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO. MBB—1971—

277-155

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

MBB-1973-277
1. Film strip number

75
2. Source

TATTVAMOHANĪSĀDHANA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

DEVANAGARI
8. Script

16 cm. x 6 cm.
9. Size

5
10. Lines to a page

10
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

15. Remarks Practices on tantra using the black of it

ॐ नमः श्री ४ चक्षुरक्षारोग नाथै॥ ॥ टन्टो मोहनिसा
धन॥ प्रिथिगिनेस॥ कालनरयकं रात्रिसुजा॥ चक्षुदरि
षुकुन्यर॥ ग्रहनशंत्यर॥ ड्डाड्डमजटिथे॥ नीलस्वानज
जेमकाय यकं धेदयुजायाय॥ सस्त्रयछ्य॥ वज्रयदल
या॥ थ्यधुरुचक्रार॥ मोहनिफय॥ थ्रशटस्मारचोर

ह्रशलिवायादुर्ह्रनेडिनकंयिल्म॥गन्नार॥सिघलनम
रव॥बीजमेयमंत्रम॥ऐंह्रींक्लीं श्रौंस्वाहा॥मम
लोकवश्य॥थयोदरम्प सलनेनंछाय॥स्वाहछाय॥
गायत्रीमत्रनपुजायाय॥४॥ऐंनमोनारीकायै॥विद्महे
कामेश्वरीयै॥धिमहिठ श्रीसिद्धिप्रियोदयात्॥॥

श्वनंली हृषय। देवदकौमोहनिसवशंकं॥यिनादसहा
थंजोरिंत्यव॥सौविरंजनंत्यव॥दुथरापमाल॥दक्षिना
छयदेवजप्रलपछुनकाव॥मोहनिकोकाय॥वसट
यमत्यव॥स्वानंकोकायसमयथटेमोहनिसाधनाशिध
॥ॐ॥थोमोहनिनथमंनिया मंत्रप्रप्ता॥ॐरेब्रौंडीङ्

ॐ श्रीं शुद्धरिक्षा वश्चनमोक्षाय स्वाहा ॥ ※ ॥ अथ मन्त्र न
घा ल ३ तालसडुपुशेयँ ॥ रक्षार नया शेयँ साल्यसोलक्ष
स्वरइशय ॥ ॥ ॐ ॐ कैचैनैतैयँवँ ॐ स्वाँहाँ ॥ ॥
मोहनिनत्य ङ ॥ थोमंत्रधाल ॥ ३ ॥ तालसडुपुशयनसो
लक्षास्वरइशय ॥ ॥ नाना वश्चनदयकंनयातोलं

जिन्नम ॥ ८ ॥ ॐ मोहनिर्णाथमरिहँ ॥ अष्टगोत्र
१०८ मोहनिनवुलँजप्रलयंधाल ॥ ७ ॥ ॐ अष्ट
नरोले ॥ सवासयनिजुको ॥ स्वनवायंमफु ॥ यलाक
छूयेमफु शेयँचोनिरा ॥ टेमनविधि ॥ मसयनिछना
डमजुरछलो ॥ ॥ ॐ नमोवर्जचहुमलोकनाथे ॥

तँम्मयर हेडयर मद्धियर आत्मरक्षाँकुरुरस्वा
हा॥ ॥थेमंत्रधात्ना॥ ७ ॥थौंमोहनिजयलपै॥थमं
त्येडंबुथानसतय॥ थोन्यनमेवज्रोधावलयाटन्या
॥स्यं॥मवनधरनछ्ताययंमकुर॥ ६ ॥ॐऐंचोरेअ
चोरे॥ अमोघेवलेप॥विवीमलेश्रीवज्रुमहारोषनायै

॥ सर्व लोकं वशमेयँ कुरु २ स्वाहा ॥ ॥ ओ मंत्र धारण ॥ २१ ॥ मो हनि जमंत्रयं ॥ वशमटस्य नको न त्यव वसत्र सके चकैं त्यव ॥ ६ सं त्यवनके अमुक वसनयं नु ॥ थधे नाम कथास्व ॥ मि जनहू सहु नंवस्य जुईव जेला ॥ ॥ ॐ वज्र चक्षु महारोष नाथैं नगछे २ रो

गआनय२ अमुकंवशमानयेहुँहुँस्वहा॥ ॥ओमं
त्रथल॥५४॥ ओमोरुनीकापदसपोलविशेषं जलर्प॥पि
शुपानसभुन्योंतय॥ओसशुनगलम्बावबुलानसितप
तनकउसायमदईश॥लोयकेथाकु॥टम्भन॥ ॥
ॐहैंचक्षुचामुण्डेश्वरि॥शर्वसशुतंम्भय२अमुक

स्वाहा ॥ ओं मन्त्र धाल ॥ २१ ॥ ओं मोहनिज
यलयं ॥ सत्रुयोछेस पुन्नोंत्य ॥ सवडुदयके ॥ ॐ ऐं न
मो चक्षुमहारोग नायै ॥ खुश के टम्भय २ वादं दे
हूं २ स्वाहा ॥ ॥ ओं मंत्र धाल ॥ ५४ ॥ आक्षेट गोद
१०२ ओं मोहनि व नामं ॥ कापट सबोलविस्यं ॥ वर्द्धे

सकोथासनय॥ मेवस्त॥ छेशदुषविलयंमकु॥लो
गिदयंमकु॥मिभयं॥सुभयंमदु॥विघ्नुभयंमदु
सम्भरासिचे उतर्म्मजुलो॥ ॥ॐनमोइन्द्रवर्जंच
कुमहारोषनार्यैं॥विछुकवचायस्वाहा॥थोमंत्रभाल
॥७॥आक्षटगोल॥ जपलपंकुव॥ थोमोहनिजपलपं

टिय॥ सगुनंछं मबुया नाहलसांमगेलके॥ नकुसां
मेगलकेजुलो॥ ॥ थोमोहणिक्क॥ ग्यालावोयाहाड़
योदचिश्यं॥ गुपिनिया भुसथुन्यैंतया॥ मचामबुयके
टय॥ ग्यालाबोयाहा जुको॥ गुविनिया मोरसछुचके
मोचाबुयकेजुलो॥ ॥ थोमोहनि॥ भुलकगलयाला

ख़ योदचिस्वं॥ गुविनियाभुसथुडंतस्वं॥ गोविनिया॥
कानमचाकृयकेजुलो॥ ॥थोमोहनिहगोरोचथुनहा॥
थोसफोस्वंतोनकं॥मिसानसदाकालं॥थोनकायकं॥
य॥थोव॥ थोमोहनिह॥ आफुदुहस्वभागयाच्यं॥
थोसफोस्वंतोनकं॥ मिजंथजु॥ मिसाथजा॥ चातो

लेखोनकायकंकुय॥ ॥जोरमोरेराइ॥सिजलरा
लंबसचुलावलोनकं॥ लायकेजुलो॥थेम्या॥थोमोह
निद्रभंगेदचचुलइ॥ डानासाउखानमानिन॥डेया
इनिलत्रिपुरुषंनानिय॥ कटसाकें॥ मफटसाइ
सत्रसकियकें॥ मजाकल॥जाचकेजुल॥ मेल्यइ

न सां॥ ओम यांके होनर ईश्वर्जुलो॥ तो न॥ थो मोहनि
न॥ धमंनिन्या ज्ञचेतनति ज्ञरुर न्य मेवर वांदे जुल
ज्ञस्यो॥ वसत्या चेके ज्ञरो॥ वसयांदे॥ थेमोहनिरा॥ ज्ञा
क्टुरा॥ कुम२ रा॥ ओत्यं नति न्यं॥ नियछ कुतो॥ तिइंए
जमोहन नजुईश्वर्जुलो॥ राजमोहन॥ रकटवटुन ओ थो

महनिर॥ मेरलयहूंसकुंटोनेडंनालीकेन मनडन
केमुलो॥ मनडनेके॥ वेलयासाचोलाडा॥ थेमोहनिर
हूंसकुंनोतिनसा॥ सर्वलोकंथडवस्यजुलो॥ वसा॥
ॐ लीं क्रीं चंडमहारोषणायौरौंहूं अमुकंस्तंभना
यस्वाहा॥ थेमडा॥ ॥ थेमोहमिजपलपेथहामलाचे

कनसङ्गलाङ्ग॥ लाहानिसकुय॥मिजोन्यानंबोकोस्या:
यजिरंमपुका॥ सपतगतिकासिद्धस्यतगतिकानं:
न्याचकेजुत्न॥ मिंमपुका॥उंक्कंत्सपस्वरुमेनं॥
गीरिकोमोरुवारका॥ सर्वमनुष्यदेवजुत्ताप्रिंग
दिनीगा सर्वलकेत्रुस्वाग॥थोमत्रचला॥२०॥अक्षे

दरा॥ अथ मोहनिद्रा पदसंयोजिर्यं॥ नायदसु
थत्तीचरदुसयुक्थरलसतस्यो॥ मेवरदुखाबियम
फुछायायंमफुदेपभुटःपिशाचनेदुखबियंमफु
समसग्रहसोन्निअदूरलक्ष्मा औ॥ दंनिचयुमहा॥
लोयनायीन्नवसमाप्रमा॥ शुधंससुधंवामदोबोन

दिपत्या॥ थनमोहनिकृयया तोत्रजुलाफ्ट्या ॥ट्टया
ॐॐॐॐॐॐ नमो श्रीचण्डिकायै॥ हृत्सस्थिनास
रिणकर्मणुरुसाष्य सुत्रो रक्षनुमेक्षो॥ रिटिकुर्णर
मावहंत्रि॥ याकाश्चनाकुंहकेशरपिंद्रीराभावा
श्मीकरोनुमरुशादभमंदेवायाचरणाघेटटु

गुधाद्धिकुंशुभ्रकांटि॥ सक्तिश्रीशुलसशिरोधवः
एजटाकलायं॥ नैत्रंत्रयंचंद्रनिबिंबमैश्वर्यं
यं॥ साहेश्वरिभवनुसाशुभमङ्गलाय॥ २॥ सिंहेर
मुद्रासङ्गसाङ्गटिमावलंत्रि॥ विद्युंछ्रकासपतिमा
श्वसक्तिरधाना॥ मायुलकासनसमाशुद्धिटवालरु

पि॥कौमारिकाभवनुमे॥ शुभमंडूराय॥ ३॥गारुडर्षः
र्चिंडुटिनिभागरुद्वासनस्थौ॥ मुभिन्नपंकजमुखि॥ रा
वजौनाराजा॥ संखासिचक्रगदया॥किटरासरुस्ता॥ श्री
वेल्लविसर रानोमिभदाप्रसंनो॥ ४॥उत्फुल्लिंमुः
कदलाद्रिकैं॥रक्तकाम्नि॥घोरातिघोरकधिनोरार्ड

कौलव ऋं॥ मिनासिपासवलयांकिंकुंचारुहस्तावा
राहिकामंहिषजात्वमामि॥ ५॥ वृंकृंव्रजिरहलचो
मुचुराहगिन्येत्रो॥ न्यलेयवस्तेपरिसोभमानाः॥
रैंराश्रोंगजराशठीत्रा॥ धजवर्जहस्ता॥ रैंमुनमामी
शुलकीत्रदेववंशा॥ ६॥ प्रेंकृंशिंगरालकरंकपा

त्रमाला॥ खड्गं त्रीशूलदंडी मकपारअक्षिलस्सा॥ द
सौकरालवदना॥ जगदंक धात्रिचामुंडि कासर
गाश्रीमि शक्तिप्रसक्तौ॥ ७॥ मृद्वर्ज्यसारुचिलो॥क
मरायश्रीक्षि॥पिनस्तशीलरीटिलारश्रीभामाना
॥खड्गं त्रीशूरवलगरपाशीरूपा॥लक्ष्मीनमाभि॥

जयजयजगदंबे

मलटिमहणीयमुलत्री॥ ४ ॥घ्रात्मी नाधिपत्या॥श्र
कलजगर्भनुभैरवीविश्वक्रीं॥आगंत्रागत्मेरुवे
शाकलं॥कुलगुरुमौक्तीचक्रज्येष्ठा॥आनन्दोवि
श्वनाथं॥कौलशगुरिपीठंपानुर्गुप्तयोगिनी॥रूप
टिन्नवरुयंप्रतिवरणसहितं॥आहिमांक्षत्रपाले॥

॥ ६॥ हस्तिनापुरधिहे प्रभुकलधरा॥ सक्तिरुस्ताट
घालि॥ दक्षरु तेषुभुन्यश्रीरायनरायना॥ नंदचौ
यंत्रीनेत्रं॥ रात्यसमारुचक्रे भवतुत्र॥ वशदाका
जनेष्यत्रेहहूं॥ श्रौंगौंसू श्रीगणेशस्वरूपगन
गनाथंलंकतोहत्रिहिंच॥ १०॥ श्रीमासरोवतुकनो

थ॥ श्रीनिप्रसिद्धौ कन्धञ्जराशि॥ जन कानवर्द्धनके
तु॥ गौरिश्रुत्रैसर्क्रिमु द्धालश्रीद्धचानोपायास्यल
र्क॥ व शणासिविवाहनस्ता॥१॥ पुर्वयापैकर्कीम्य
पटिद्धिप्रशा॥ रुमंडुयभालाविन्यभुजो॥ द्धालिडोरे
जभागिवज्रुलक्षिपुगएयधिरिपुत्वोरयमेत्वो॥भ्यं

माठाधाद्यजो॥क्षनानपिनियरुंधिर्जचेर्रुनयात्रि
॥मर्धविल्यापादली॥रुदपिममसिशोष्यन्यटोसि
ष्यिदेवि॥१२॥मंत्रस्त्रीरोक्रियाहिनी॥भक्तिहिनंनरज
स्कृती॥अकृटंपाकोटिशेवा॥नतुरायर्पदन्यस्वेशि
॥१३॥इहिमोहसीसाधक्यार्टं॥मौत्रीगनास्त्र